

सारसवाणी

वर्ष: 50

अंक - 05

मई 2020

सं. 2077 वैशाख

लागत मूल्य : ₹ 6



माहेश्वरी प्रगति मण्डल, मुम्बई महेश नवमी उत्सव

समाज के कलाकारों द्वारा
सुमधुर भजन संध्या

रविवार 31 मई 2020
सायं 5 बजे से

ZOOM ID : 83178588409

YouTube Channel : Maheshwari Pragati Mandal Mumbai

समाजबन्धु सपरिवार इस कार्यक्रम का आनन्द लेवें।

विनीत

माहेश्वरी प्रगति मण्डल

अजय मंत्री (अध्यक्ष)

प्रमोदकुमार देवपुरा (मंत्री)

संस्कार एवं सत्संग समिति

जगदीशचन्द्र राठी (अध्यक्ष)

डॉ बजरंगलाल माहेश्वरी (संयोजक)

प्रिय स्वजनों,

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामना एवं बधाई. . .

‘लॉकडाऊन’ क्या हुआ, मानो जीवन थम सा गया। सब कुछ अस्तव्यस्त हो गया और लोगों को सोचने पे मजबूर कर दिया। पर मैंने लॉकडाऊन को एक अलग अंदाज से देखा....

LIVING WITH THE VIRUS : यह तो हम सब अब जान गये है कि यह कोविड १९ वायरस इतना जल्दी खत्म नहीं होगा और हमें इस वायरस के साथ जीने की आदत डालनी पड़ेगी। जब तक इसका कोई तोड़ अर्थात् वैक्सिन नहीं तैयार हो जाता है, तब तक यह अन्य सभी बीमारियों की तरह हमारे जीवन का एक हिस्सा बन गया है। यह बात हम जितनी जल्दी समझ जाये उतना ही बेहतर होगा, जीवन को आगे बढ़ाने के लिये।

OVERCOME THE FEAR : कहते है ना डर के आगे जीत है। हाँ, यह वास्तविकता है। जब तक डरोगे तब तक जीत नहीं पाओगे। तो हमें इस बीमारी से डरना नहीं है। सावधानी बरतना आवश्यक है। हर तरह से प्रिकॉशन्स लेना अनिवार्य है। और अगर ऐसा नहीं करोगे तो इस घातक सर्वव्यापी महामारी (पॅनडेमिक) से इन्सान का जीतना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन हो जायेगा।

CULTIVATE GOOD HABITS: आचार, विचार, संस्कार और व्यवहार से होगा परिवार। सदाबहार.... हमारा आचरण हमारे विचारों पर निर्भर करता है, जैसे हमारे विचार और हमारी सोच होती है। वैसे ही हमारा बिहेविअर और आदतें हो जाती है और यह सब निर्भर करता है हमारे संस्कारों पर और संस्कारों से बनता है परिवार। इस लॉकडाऊन से इतनी सकारात्मक चीजें देखने को मिली है। हमने फिर से परिवारों को संयुक्त रूप में रहते हुए देखना है। इस दुसरे के प्रति सेवा का भाव को देखना है आदि।

KEEP FIT : जब हमारा कम्प्युटर खराब हो जाता है तो हम उसे अपग्रेड करते है या गाडी खराब हो जाती है हम ओव्हरहॉलिंग करते है। वैसे ही हमारा शरीर का अपग्रेडेशन जरूरी है। इसलिये अपने शरीर को फिट रखना अति आवश्यक है और इसके लिये चाहे हम कसरत करें, योगा करे, जॉर्गिंग करे, साइकलिंग करें, स्किपिंग करे, आउटडोर गेम्स खेले पर कुछ ना कुछ जरूर करें। जिससे हम ऑक्टिव और एकदम फिट रहे... स्वस्थ जीवन - सुंदर जीवन।

DELETE NEGATIVITY : आज के भौतिक युग में हम एक दुसरे के प्रति ईर्ष्या, द्वेष, लालच,

लोभ, स्वार्थ और अपने अहम् के कारण मानसिक तनावभरी जिंदगी जी रहे हैं। हमें अपने जीवन से नकारात्मक सोच का नाश करना। निगेटिव विचार धारा हमारी उर्जा का विनाश करती है। कहते हैं ना, जैसा बीज बोयेंगे वैसा फल पायेंगे। उदाहरण के तौर पर अगर हम सुबह से लेके रात तक सिर्फ बिमारी की बातें करेंगे तो पक्का मान लिजीये, रात तक खुद बीमार हो जाओगे इसलिये पॉजिटिव सोच वायब्रे शन्स देता है और शक्तिशाली उर्जा पैदा करता है।

OPPORTUNITIES : यह तो हम सब जानते हैं कि लॉकडाऊन के वजह सारे विश्व की अर्थव्यवस्था उथल पुथल हो गई है लेकिन कहते हैं ना हर अंधेरी रात के बाद एक नयी सुबह आती है वैसे यह समय भी निराश होने का नहीं बल्कि वर्तमान परिस्थिती का किस तरह से सामना करें इस पर विचार करने का है। यह लॉकडाऊन है शटडाऊन नहीं जैसे हर ताले की चाबी होती है तो जब लॉकडाऊन खुलेगा तो ऐसे बहुत नई ऑपॉर्चुनिटीज, नई एवेन्यु लेकर आयेगा और बाकी भी व्यवसाय जो हो सकता है कि लॉकडाऊन की वजह से अभी उनका समय अनुकूल नहीं है पर वो भी पुनःस्थापित होंगे और पुर्नविकास की राह पर चलेंगे।

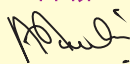
WORLD IS YOURS : किसी ने कहा है कि कर लो दुनिया मुट्टी में। यह वाक्य अब सार्थक होता हुआ देख रहा है। टेक्नॉलॉजी के आविष्कारों से आज हम एक जगह पर बैठ कर सारी दुनिया से जुड़ सकते हैं। समय है डिजिटल वर्ल्ड का। ई कॉमर्स का ऐसे बहुत से शब्द हैं जो कुछ समय पहले कोई नहीं जानता था जैसे वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाईन सेलिंग, वेबिनार्स, विडिओ कॉन्फरन्सिंग आदि। पर अब यह रोज काम आनेवाली चीजें बन गई हैं इसलिये कहना चाहता हूं कि 'कर लो दुनिया मुट्टी में....

WORLD IS YOURS ।

NEVER SAY DIE : अंत में सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि 'जहाँ आप कुछ नहीं कर सकते, वहाँ एक काम जरूर कीजिये और वो है कोशिश'। हरिवंशराय बच्चन की कविता 'कोशिश करनेवाले की हार नहीं होती', यह हमें यही शिक्षा देती है कि चाहे जो कुछ भी हो जाये, कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पड़े, कितनी भी तकलीफें आये पर हमें कोशिश करते रहना चाहिये फिर जीत पक्की हमारी होगी....

STAY SAFE - STAY HOME TILL LOCK OPENS – STAY HEALTHY.

दिनांक : 30 मई 2020

विनम्र

 अजय मंत्री
 अध्यक्ष

माहेश्वरी प्रगति मण्डल

वेबिनार नियमावली

कोरोना महामारी एवं लॉकडाऊन की स्थिति को ध्यान में रखते हुए समितियों के कार्यक्रम वेबिनार द्वारा आयोजित हो रहे हैं जो आज के समय की आवश्यकता है। ऐसे आयोजनों से समाज को संगठित रखने में सहायता होगी। व्यवस्थापिका सभा की दिनांक 9 मई 2020 को सम्पन्न हुई बैठक में वेबिनार से संबंधित निम्नलिखित नियम पारित किए गए।

- 1) समिति की बैठक में पारित वेबिनार आयोजन जानकारी प्रस्ताव के रूप में सम्बन्धित उपाध्यक्ष / संयुक्त मंत्री, मण्डल अध्यक्ष व मंत्री को देकर आयोजन की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। तत्पश्चात् उस आयोजन का प्रचार प्रसार किया जा सकता है।
- 2) एक क्षेत्र दूसरे क्षेत्र या केन्द्रीय समिति के साथ संयुक्त रूप से वेबिनार का आयोजन नहीं कर सकते हैं।
- 3) एक दिन में एक ही वेबिनार होगा।
- 4) वेबिनार में आमंत्रित वक्ता की जानकारी आयोजन तय करने के पूर्व सम्बन्धित उपाध्यक्ष, संयुक्त मंत्री, मण्डल अध्यक्ष व मंत्री को देकर उसकी स्वीकृति लेनी होगी।
- 5) वेबिनार रुम कितने (50/ 100/ 500) व्यक्तियों के लिए है एवं उसके शुल्क के बारे में स्वीकृति लेनी होगी।
- 6) वेबिनार के अधिकतम दो मेसेज समिति अध्यक्ष/अध्यक्षा या संयोजक / संयोजिका ही करेंगे।
- 7) कार्यक्रम आयोजन से संबंधित मण्डल के पूर्व में पारित नियमों का भी पालन करना होगा।

प्रमोदकुमार देवपुरा - मंत्री

घाटकोपर क्षेत्रीय युवा समिति द्वारा शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

घाटकोपर क्षेत्रीय युवा समिति एवं सभी युवा समितियों के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 10 मई 2020 को Online Chess Tournament हर्षोल्लास से सम्पन्न हुई जिसमें लगभग सभी आयु वर्ग के समाज के बन्धु-बहनों ने भाग लिया। श्री विनीतजी बियानी एवं श्री अमितजी होलानी का सहयोग बहुत ही सराहनीय रहा। विजेताओं के नाम निम्नानुसार हैं।

सीमा मालानी - संयोजिका - घाटकोपर युवा समिति

Category	Name	Rank	Samiti
Below 10	Khush Dhoot	1	Malad
Below 10	Garima A Holani	2	Ghatkopar
Between 10-16	Atharva Bang	1	Madhya Mumbai
Between 10-16	Viraj Ninad Rathi	2	Andheri
Above 16	Siddharth Malpani	1	Andheri
Above 16	Gopal Sabu	2	Borivali
Above 16	Utsav Bagri	3	South Mumbai
Senior	Sunil Sodhani	1	Andheri
Female	Priyanshi Somani	1	Goregaon

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री सत्यनारायणजी लोया का जन्म दि. 5 अप्रैल 1930 को नागौर (राज.) में हुआ। विद्यालयीन शिक्षा में बोर्ड में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। आप सांस्कृतिक कार्यक्रम व खेलकूद में भी सक्रियता से भाग लेते थे।

1951 में मुम्बई आने के पश्चात् आपने बांगड-सोमानी ग्रुप में एक साधारण नौकरी से केरियर की शुरुवात की। लगन, मेहनत, कार्यदक्षता व ईमानदारी के गुणों से इस प्रतिष्ठान के उच्चतम पद पर रहते हुए 54 वर्ष तक इस प्रतिष्ठान में कार्यरत रहे।

रामरत्ना समुह की रामरत्ना वायर्स लि. एवं आर. आर. काबेल लि. में आप प्रारम्भ से डायरेक्टर रहे।

मुम्बई माहेश्वरी समाज की एक मात्र प्रतिनिधि संस्था, माहेश्वरी प्रगति मण्डल में गत 50 वर्षों से सक्रियता से विभिन्न पदों पर कार्यरत रहते हुए आपने दो सत्र तक अध्यक्ष के पद को सुशोभित किया।

मिलनसारिता, विनम्रता, धर्मपरायणता, कार्यदक्षता, सभी को साथ लेकर व कार्यकर्ताओं से समन्वय रखते हुए कार्य करना आपकी विशेषता रही।

ऐसे बहुगुण सम्पन्न श्री सत्यनारायणजी लोया की प्राणज्योती दि. 16 मार्च 2020 को पंचतत्व में विलीन हुई।

मण्डल परिवार स्व. लोयाजी की आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करता है। भगवान महेश से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को चिरशान्ति व समस्त लोया परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।



प्रमोदकुमार देवपुरा - मंत्री

माहेश्वरी सांस्कृतिक महोत्सव हर्षोल्लास से सम्पन्न

कोरोना महामारी व लॉकडाउन की स्थिति से सारे विश्व की स्थिति बिगड़ गई है। इन्डस्ट्री, व्यापार, व्यवसाय, शिक्षा, प्रशासन इतना ही नहीं तो रोगियों को उपचार देने वाले अस्पताल भी गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। इन सभी के दुष्परिणामों से बाहर निकलना एक बड़ी चुनौती है। शासन व प्रशासन इस हेतु प्रयत्नशील है। सामाजिक संस्था भी सेवा के कार्य कर रही है। माहेश्वरी प्रगति मण्डल भी अपनी विविध समितियों के द्वारा सेवा, प्रशिक्षण व awareness के कार्यक्रम वेबिनार के माध्यम से आयोजित कर रहा है। इस गम्भीर परिस्थिति में समाजबन्धुओं को संगठित रखना, उनका मानसिक तनाव कम करना एवं समाजबन्धुओं की प्रतिभा को उजागर करने का प्रयास माहेश्वरी सांस्कृतिक महोत्सव के आयोजन द्वारा किया है। इसमें छह प्रकार की प्रतियोगितायें सभी आयु वर्ग के लिये की गयी जिसमें 458 entries प्राप्त हुईं। दि. 16 मई 2020 को इसका Live show भी किया गया। इस आयोजन की संकल्पना एवम् उसे साकार करने में अनेक कार्यकर्ताओं का सहयोग प्राप्त हुआ, इस हेतु सभी का हार्दिक धन्यवाद।

प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं के नामों की सूची निम्नानुसार है।

प्रमोदकुमार देवपुरा - मंत्री

DANCE

- 1) Stuti Bagri & Ishita Bagri - (South Mumbai)
- 2) Archana Malpani & Paridhi Malpani (Andheri)
- 3) Vidhi Deepakji Totla (Mulund)

ESSAY COMPETITION

Age Group 15 to 35

- 1) Amit Rander (Borivali)
- 2) Abhishek Maheshwari (South Mumbai)
- 3) Padma Kabra (Borivali)

Age Group - Above 35

- 1) Purnima Sarda (Andheri)
- 2) Aditya Moona (Andheri)
- 3) Rajeshji Malpani (Andheri)
- 4) Kirti Maroo (Borivali)

MASTER CHEF

- 1) Raina Jaju (Madhya Mumbai)
- 2) Jyoti Kabra (Goregaon)
- 3) Nitu Somani (Goregaon)

RANG DE MAHESHWARI

Age Group 6 to 12

- 1) Neha Sarda (Malad)
- 2) Kashvi Toshniwal (Borivali)
- 3) Mishka Maheshwari (Andheri)

RANG DE MAHESHWARI

Age Group 13 to 18

- 1) Natasha Kothari (Borivali)
- 2) Pranit Bharadia (South Mumbai)
- 3) Muskan Malpani (Goregaon)

MAHESHWARI FAMILY NO.1

- 1) Suresh Kabra & Family (Malad)
- 2) Pavitra Maheshwari & Family (Andheri)
- 3) Namya Bagri & Family (South Mumbai)
- 4) Sangeeta Bharadia & Family (South Mumbai)

MAHESHWARI IDOL

Age Group - Upto 18

- 1) Tanishi Mundra (Malad)
- 2) Ayushi Mundra (Goregaon)
- 3) Aayu Fallod (Andheri)
- 4) Eshaani Jhavar (Ghatkopar)

Age Group - Above 18

- 1) Rewat Chandak (Andheri)
- 2) Mahi Mundra (Malad)
- 3) Monika Amit Jajoo (Andheri)
- 4) Prerana Rajesh Daga (Malad)

सम्पन्न कार्यक्रम

मध्य मुम्बई क्षेत्रीय समितियों द्वारा दि. 12 मई 2020 को Magical Powers of Sub Conscious Mind विषय पर आयोजित वेबिनार सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। श्री सुनीलजी पारीख का मार्गदर्शन बहुत ही उपयुक्त रहा। लगभग 95 समाजबन्धुओं ने लाभ लिया।

समितियों द्वारा दि. 17 मई 2020 को वर्तमान परिस्थितियों में कार्यकर्ता का सामाजिक कर्तव्य विषय पर परम पूज्य स्वामी गोविन्ददेव गिरिजी महाराज का उद्बोधन बहुत ही उपयुक्त रहा। श्री रमेशजी मरदा ने कार्यक्रम का संचालन किया। लगभग 300 परिवारों ने कार्यक्रम का लाभ लिया।

दि. 23 मई 2020 को Living with CORONA VIRUS... Staying healthy after LOCKDOWN विषय पर डॉ. तृप्ति गिलडा (MD) का मार्गदर्शन सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ जिसमें कई महत्वपूर्ण बातें समझाई गयीं। लगभग 260 परिवारों ने इसका लाभ लिया।

घनश्यामदास मून्दडा - संयोजक

गोरेगांव क्षेत्रीय महिला समिति द्वारा दि. 29 फरवरी 2020 को जीवन शैली, खानपान व व्यायाम विषय पर Talk Show सम्पन्न हुआ जिसमें श्रीमती अंकिता देवरा ने मार्गदर्शन किया जो बहुत ही उपयुक्त रहा। लगभग 60 बहनों ने आयोजन का लाभ लिया।

सुनिता भट्ट - संयोजिका

गोरेगांव क्षेत्रीय युवा समिति द्वारा दि. 29 फरवरी 2020 को मध्य रात्रि साइकिलिंग कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। मध्य रात्रि से प्रातः 4 बजे तक 16 कि.मी की इस साइकिलिंग में 134 युवाओं व बच्चों ने भाग लिया। संगठन का एक अनोखा स्वरूप देखने में आया।

समिति द्वारा दि. 1 मई 2020 कर्जत स्थित झामरुंग आदिवासी गांव में खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। कोरोना महामारी व लॉकडाउन के चलते यह एक सराहनीय सेवाकार्य रहा।

विनोद होलानी - संयोजक

बोरीवली क्षेत्रीय समितियों द्वारा दि. 11 मई 2020 को Webinar का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमें Reverse Factor के Founder डॉ. करणजी कक्कड़ ने Immunity system (रोग प्रतिरोधक शक्ति) एवं उसे बढ़ाने के उपाय बहुत ही सरलता से समझाये। Zoom app पर आयोजित इस कार्यक्रम का 103 परिवारों ने लाभ लिया। Face Book के माध्यम से 750 समाजबन्धुओं ने भाग लिया।

दीपक सोमानी - संयोजक

अंधेरी क्षेत्रीय समितियों द्वारा गत दि. 30 मार्च से 3 मई तक Food Packets वितरण का कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। कोरोना महामारी एवं लॉकडाउन की स्थिति में सेवा का यह कार्य बहुत ही सराहनीय रहा जिसमें कुल 42000 Food Packets का वितरण किया गया।

मुकेश काबरा - संयोजक

मुलुण्ड क्षेत्रीय समितियों द्वारा दि. 18 मई 2020 को कोरोना की जंग योगा के संग विषय पर आयोजित वेबिनार सुचारू रूप से सम्पन्न हुआ। अंबिका कुटीर की साधिका श्रीमती अलकाजी तापड़िया एवं डॉ. प्रतिभाजी का मार्गदर्शन बहुत ही उपयुक्त रहा। 85 समाजबन्धुओं ने इसका लाभ लिया।

पूनम राठी - सहसंयोजिका

मालाड क्षेत्रीय समितियों द्वारा दि. 2 मई 2020 को बदलता परिवेश - कल आज और कल विषय पर वेबिनार सम्पन्न हुआ। मण्डल के पूर्व अध्यक्ष एवं जानेमाने सामाजिक चिन्तक व प्रवक्ता श्री रमेशजी मरदा का मार्गदर्शन बहुत ही सराहनीय व उपयुक्त रहा जिसका लगभग 600 परिवारों ने लाभ लिया।

राधेश्याम डालिया - संयोजक

प्रशिक्षण एवं पर्यावरण सन्तुलन समिति, दक्षिण मुम्बई क्षेत्रीय समिति एवं मध्य मुम्बई क्षेत्रीय समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित Webinars सुचारू रूप से सम्पन्न हुए जिनकी जानकारी निम्नानुसार है।

★ दिनांक 23 अप्रैल 2020 को Will and Succession Planning विषय पर एडवोकेट श्री रमेशजी सोनी का मार्गदर्शन बहुत ही सराहनीय व उपयुक्त रहा जिसका 100 समाजबन्धुओं ने लाभ लिया।

★ दिनांक 30 अप्रैल 2020 को Effective use of Smart Phone & Security विषय पर सुश्री विदुषीजी डागा का मार्गदर्शन बहुत ही उपयुक्त रहा जिसका 150 समाजबन्धु ने लाभ लिया।

★ समिति द्वारा दि 23 मई 2020 को Impact of COVID 19 on MSME sector and Way forward विषय पर आयोजित वेबिनार सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। श्री आनन्दजी राठी, श्री रमेशजी चाण्डक, श्री बी. आर.जाजू, श्री अतुल कुमारजी गुप्ता, श्री संजीवजी माहेश्वरी का मार्गदर्शन बहुत ही सराहनीय व उपयुक्त रहा जिसका लाभ 678 समाजबन्धुओं ने zoom व you tube द्वारा लिया। कार्यक्रम का संचालन श्री दुर्गेशजी काबरा ने किया।

प्रकाशचन्द्र राठी - संयोजक - प्रशिक्षण एवं पर्यावरण सन्तुलन समिति

संगठन एवं जनसेवा समिति द्वारा निम्नलिखित जन हिताय कार्य सम्पन्न हुए।

- ★ भायंदर, विरार, वसई, तुर्भे, तलोजा एवं लासलगाव में खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।
- ★ अप्रैल माह में 10000 मास्क वितरित किए गए।
- ★ डाक्टरों के लिए म्युनिसिपल अस्पताल में 20 PPE (कोट सेट) का वितरण किया गया।

कृष्णमुरारी भण्डारी-संयोजक

विवाह सहयोग समिति तथा संस्कार एवं सत्संग समिति के संयुक्त तत्वावधान में सुखमय जीवन का आधार, परिवार - व्यवहार - संस्कार विषय पर दि 24 मई 2020 को वेबिनार का आयोजन सम्पन्न हुआ। मण्डल के पूर्व अध्यक्ष एवं जाने-माने सामाजिक चिंतक व प्रवक्ता श्री रमेशजी मरदा का मार्गदर्शन बहुत ही उपयुक्त रहा। 265 समाजबन्धुओं ने ZOOM पर एवं 150 समाजबन्धुओं ने YouTube पर इस आयोजन का लाभ लिया।

मनोज लड्डा - संयोजक - विवाह सहयोग समिति

माहेश्वरी प्रगति मण्डल

शिक्षा सहयोग समिति -सुलभ मूल्य कापी वितरण योजना

माहेश्वरी प्रगति मण्डल, शिक्षा सहयोग समिति द्वारा प्रति वर्ष रियायती दरों पर कॉपियों का वितरण किया जाता है। कोरोना महामारी व लॉकडाउन की स्थिति के कारण कापी वितरण का कार्य इस वर्ष स्थगित किया गया है। समाजबन्धुओं को होने वाली असुविधा के लिए हमे खेद है।

ओमप्रकाश बंग - संयोजक

WINNERS OF ESSAY COMPETITION Age Group 15 to 35 THE WORLD YOU SEE AFTER LOCKDOWN

1st Prize

- Amit Rander, Borivali

The Novel CoviD-19 virus has literally swept the carpet beneath the feet of the entire earth and crippled humanity. Mass Unemployment, Bankruptcies, Collapsing of Business Giants; Almost every industry, from Manufacturing to Entertainment, will witness scenes never seen before. The near picture looks gloomy but is it Doomsday yet?

A negative mindset breeds a vicious cycle of pessimism further aided by learnings from the WHATSAPP university. This lockdown might actually bring in a plethora of positive changes :

- The modern man would no longer take any essentials for granted. "Saving", considered outdated, would again start trending even amongst Millennials.
- "Work From Home", will become a norm rather than a fad, giving people more time with their families and not get lost in 'The Rat Race'.
- The Lockdown has done two things which weren't possible even after spending crores of rupees.
 - o Purified the water of The Ganga.
 - o Improve Air Quality Index in Metros like Mumbai and Delhi.
- People will now become more cognizant about the Environment.
- A Radical Shift in the Food Habits of Urban India who now know that living without Junk is possible. Traditional Ayurveda would be reborn.
- After doing household chores during lockdown, The Digitalized world would make new innovations, but never under-estimate the importance of a Home-Maker!!!

The new world will be ruled by those who can adapt, improvise and execute. I would like to conclude by saying :

"Change is the only Constant, We must Cherish
Trees that bend Will Stay, Those who don't will Perish"

2nd Prize

- Abhishek Maheshwari

The World I See After Lockdown After Broad Perspective

COVID-19 is not the first, and neither will it be the last crisis faced by mankind. If we consider the entirety of human existence up until now, we have overcome far worse with much less. And, each time we have emerged a little stronger and more evolved.

A crisis does not eliminate bad elements from the society, but each time we survive one, we have better solutions for dealing with them. In last hundred years, we have faced two world-wars, other epidemics/pandemics, famines, and countless other disasters, yet our life expectancy and standard of living has significantly improved.

Throughout our existence, we have continuously faced one crisis after another which has instilled a problem-solving mindset in our genes. Each new crisis brings about adaptation and innovation which helps us to not only deal with the existing problems, but also prepare for potential ones. This leads to better governance not just at corporate level, but also at social and political levels.

COVID-19 is no exception to this process. As individuals, it may be our first such experience, but humanity as a whole has faced countless such experiences. Coming out of

this lockdown might increase our appreciation and admiration for life and nature's elements for initial few days, but in time, we will move on to other issues of our daily lives.

When enough time has passed, as individuals we may not see an improvement in ourselves, but mankind as a whole will have improved for all the reasons mentioned above.

THE WORLD I SEE AFTER LOCKDOWN !

3rd Prize

- पद्मा काबरा, बोरीवली

मैंने ज़िन्दगी में कभी भी यह नहीं सोचा था कि अचानक से मुझे कुछ दिनों या महीनों के लिए लॉक डाउन रहना पड़ेगा। अधिकतर लोग लॉक डाउन से नर्वस हो गए हैं, लेकिन वहीं कुछ लोगो को यह एक वरदान की तरह लग रहा है।

लॉक डाउन से लोगो को घर परिवार का महत्व समझ आया है, पूरे परिवार के साथ रहने का सुनहरा मौका मिला है। हमारी सोच में कई बदलाव आए हैं जैसे कि हमे लगता था पैसा और व्यापार ही सब कुछ है पर अब समझ आ गया है कि जब मौत सामने हो तो पैसा और व्यापार नहीं घर परिवार काम आता है। अभी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति पहले से अधिक जागरूक हुए हैं। योगा, ध्यान, जप के साथ साथ और कई आध्यात्मिक, साहित्यिक ग्रन्थी का अध्ययन कर रहे हैं।

अबसे सभी अपनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर चीजों का उपयोग करेंगे क्योंकि लोगो को समझ आ गया है कि केवल दिखावे व पदर्शन के लिए अपना समय व पैसा तथा दिमाग नहीं लगाना चाहिये।

लॉक डाउन के बाद कि परिस्थितियों के लिए हमे तैयार रहना होगा क्योंकि आने वाला समय बहुत कठिनाइयों से भरा होगा, मेरे अनुमान से आने वाले समय में व्यापार और व्यवसाय की हालत चिंताजनक होगी क्योंकि लंबे समय से व्यवसाय व्यापार बंद पड़े है, जिसके कारण कई छोटे व्यवसाय तो बंद ही हो गए हैं और कई लोगो को काम से निकाला जाएगा जिससे लोगो मे रोष उत्पन्न होगा बेरोजगारी ओर महंगाई भी बढ़ेगी, जिससे लोग गलत तरीके से धन कमाने की ओर अग्रसर होंगे वही कुछ लोग अवसाद ग्रस्त होकर आत्महत्या जैसे कदम भी उठा सकते हैं।

लॉक डाउन की वजह से जो व्यवसाय सबसे पहले और सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है वह है यात्रा पर्यटन। और इस व्यवसाय पर लॉक डाउन का असर सबसे अंत तक होगा जिससे पूरे विश्व की आर्थिक अर्थव्यवस्था डगमगा जाएगी और कई लोग बेरोजगार हो जाएंगे। आयात और निर्यात के व्यवसाय पर असर होगा।

इसके नकारात्मक परिणामो के साथ साथ कुछ सकारात्मक परिणाम भी सामने आएंगे जैसे प्रदूषण रहित शुद्ध वायु। पूरे विश्व का पर्यावरण शुद्ध और सुहावना हो गया है। साथ ही वन्य जीवों का संरक्षण भी हुआ है।

आज पूरे विश्व में भारत की सभ्यता और संस्कृति को अपनाया जा रहा है चाहे वो हाथ मिलाने की जगह नमस्कार करना हो या शाकाहारी भोजन का उपयोग और बार बार हाथ पैर धोने की शुद्धता हो, ऐसे कई बातें है जिसका अनुसरण आज पूरा विश्व कर रहा है।

लॉक डाउन के बाद भी लोगो को सावधानिया रखनी होगी इस वायरस से लड़ने के लिए अपनी जीवन शैली में बदलाव करके, अपनी रोग प्रतिरोधक शक्ति मजबूत करनी होगी। सोशियल टूरी बना कर रखनी होगी और साफ सफाई और बार बार हाथ धोने का भी ध्यान रखना होगा। अपने भोजन मे पोष्टिक आहार को महत्व देना होगा।

इन परिस्थितियों से निपटने के लिए हम सभी को धैर्य और हिम्मत से काम लेना होगा, सबको मिल जुल कर सामना करना होगा क्योंकि हम सबके सहयोग से ही इस स्थिति का सामना कर सकते हैं।

अपनी देश की बनी वस्तुओं का ही उपयोग करना और अपने देश के पर्यटन को बढ़ावा देकर हम अपनी देश की अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सुधार सकते हैं।

समझदार और व्यवहारिक बने।

॥ ज़िन्दगी आपकी, फैसला आपका ॥

Age Group Above 35

बदलती जिन्दगी २०२०

1st Prize

- डॉ पूर्णिमा सारडा, विले पार्ले

२०१९ की अन्तिम रात में, पार्टियों की जगमगाहट में प्रवेश करता २०२० सुखद एहसास दे रहा था। संक्रांति का पर्व एवं होली का स्नेह सम्मेलन सभी यथावत हुये। खबरों में जरूर एक नया नाम कोरोना वायरस का आने लगा। उसके बाद मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग, क्वारैन्टाइन, लॉकडाउन, शब्द प्रचलित होने लगे।

घर में रहने से सारी जीवन-शैली ही बदल गई। आज तक तो मैं अपने कर्तव्यों से बंधी मरीजों को देखती अपने घर व समाज में सामंजस्य बिठाती कार्यरत थी। उम्र साठ से ऊपर होने के कारण, अपने मरीजों को देखने की मनाई हो गई, केवल फोन से ही उन्हें सलाह दे सकती थी। ऐसी जेल तो नि कभी नहीं मिली थी। बेटे-बहु का ऑर्डर हो गया फ्लैट से बाहर है नहीं निकलना, कुछ मंगवाना है तो उन्हें बोलो। एक पराधीनता का एहसास हुआ, साथ ही कर्तव्य पारायण संतान होने का सुखद अनुभव भी हुआ। स्वच्छंद विचरने वाली मैं उम्र के आगे हारती हुई लगी।

सोचा चलो घर में ही नया वातावरण लाते हैं। बच्चों को कुछ श्लोक याद करवाये व आरती करना सिखाना शुरू किया। इस में भी बड़ी परीक्षा रामायण सीरियल ने डाल दी। बच्चों के कुछ प्रश्नों के जवाब ही नहीं समझ आए क्योंकि उनके पास जिज्ञासाओं का बड़ा खजाना है। बच्चों के साथ खेलना, पर उसमें उनसे हारना, मुझे ही है बहुत मुश्किल होता है। उन्हें हारना सिखाना, दो और नये अनुभव।

भौतिक वाद के इस युग में एकत्रित बहुत से साजो-सामान व्यर्थ लगने लगे। उन्हें एकत्रित करने के लिए जीवन का कितना अमूल्य समय हमने खराब किया, यह सोचकर अब पीड़ा होने लगी।

विज्ञान के बहुत से अविष्कार आज उपयोगी साबित हो रहे हैं, उन्होंने ही हमें सभी से जोड़े रखा है। मित्र, रिश्तेदार, समाज व राष्ट्र सभी अब टीवी व मोबाइल पर मिलते हैं। विज्ञान का सदुपयोग व दुरुपयोग दोनों ही अनुभव कर लिए।

इस वर्ष ने हमें बिना दिखावे के जीवन जीने की कला याद दिला दी और मितव्ययी बना दिया। अपना काम खुद करने का महत्व समझ आने लगा। घर का पौष्टिक भोजन व व्यंजन जरूरत बन रसोईघर में आ गया। स्वच्छता का पाठ दोहराने पर बल दे गया। निरोगी काया ही सबसे बड़ी संपत्ति है यह हम सभी को समझ आ गया।

2nd Prize

- Dr Aditya Moona, Andheri

“The World you see after Lockdown” - (The ASTAVINAYAK Yatra)

Our ASTAVINAYAK Yatra started on 25% March with the announcement of a lockdown. This Astavinayak1 Yatra2 and the Swayambhu3 Darshans4 has brought about “revealaionary”5 changes in our Life as below :

First Darshan : Physical

Caring for our body in order to stay healthy, eating well and being active.

Second Darshan : Social

Maintaining healthy and strong relationships : enjoying being with others, caring about others and letting others care about you.

Third Darshan : Emotional

Managing our emotions constructively; understanding and respecting our own feelings, values and attitudes; and appreciating those of others.

Fourth Darshan : Occupational

Developing a sense of our strengths, skills, values and interests for our career : maintain a balanced life between work, family, play and taking care of ourselves.

Fifth Darshan : Multicultural

Being aware of our own cultural background and becoming, respectful of, and sensitive to the culture of others.

Sixth Darshan : Environmental

Awareness of how our behaviour impacts the earth, as well as how the physical world impacts us; demonstrating a commitment to a healthy planet

Seventh Darshan : Spiritual

Finding purpose, value and meaning in our life.

Eight Darshan : Intellectual

Growing intellectually, maintain a curiosity about all there is to learn; valuing lifelong learning and responding positively to intellectual challenges.

These “Darshans” have blessed us by making us happy, healthy, engaged, greater sense of purpose & a holistic up-liftment.

Hopefully, WELLBEING & HAPPINESS will be centre-stage of Life as an Individual, Organisation or Society to follow the lockdown.

सर्वे भवन्तु सुखिनः ...

Notes on terms used in the article:

1. “Astavinayak” - (Sanskrit: "eight Ganeshas". Ganesh is the deity of unity, prosperity & learning and removing obstacles), Refers to the eight dimensions of Life
2. “Yatra”- (Sanskrit: festival or journey), Refers to activities under lockdown
3. “Swayambhu”- (Sanskrit: "self-manifested", "self-existing", or "that is created by its own accord"). Refers to self-realisation
4. “Darshan” - (Sanskrit: sight or vision, an opportunity to see). Refers to the Learning or Wisdom
5. “revealationary”-(coined word)

3rd Prize

- कीर्ति मारु, बोरीवली

३१ दिसंबर २०१९ की रात में घड़ी ने जैसे ही ००:०० बजाए, पूरी दुनिया ने अपने-अपने तरीकों से नए साल १ जनवरी २०२० का स्वागत किया। लोग नए साल के नए संकल्प ले रहे थे- जिंदगी को और आजीविका को पूरे साल कैसे बेहतर करना है।

एक देश दिसंबर १९ से कुछ अलग ही परिस्थिति से गुजर रहा था -चीन। चीन के वुहान में एक भयंकर लाइलाज वायरस कोरोना का आक्रमण हुआ जिसने धीरे-धीरे पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे कोविड-१९ महामारी घोषित कर दिया।

लोगों को हो सके जितना घरों में रहने को कहा गया। पूरी मानव जाति में इसका भय आतंक के रूप में व्याप्त हो गया। आज का मनुष्य जो अपना आनंद बाहर की कृत्रिम चीजों में तलाशता था, अपनों से दूर, मोबाइल की दुनिया के पास हो गया था; ना सिर्फ मिल बांटकर काम करने लगा, हंसने लगा बल्कि जिंदगी ने नए तरीकों से खेलने, परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों से जुड़ने का आनंद दे दिया।

एक तबका ऐसा भी है जो पूरे जी-जान से निस्वार्थ भाव से संक्रमित लोगों की सेवा कर रहा है - डॉक्टर और नर्स। इन लोगों का पूरा साथ दे रहे हैं पुलिस और अन्य सामुदायिक कर्मी। ऐसी परिस्थितियों में हमारा माहेश्वरी समाज भी यथासंभव सहयोग दे रहा है। यह साबित करता है कि मनुष्यता अभी भी जिंदा है और कितनी भी विपरीत परिस्थितियों में यह मानवता खत्म नहीं होगी।

यही मानवता बिखरे हुए विश्व की कड़ियों को धीरे-धीरे जोड़ने में मदद करेगी और मनुष्य को - जो केवल लाभ और महत्वाकांक्षा से आगे बढ़ रहा था; प्रेम और सहयोग से सभी नुकसानों को परे करके आगे बढ़ना सिखाएगी।
घर पर रहिए। सुरक्षित रहिए।

3rd Prize

- राजेश मालपानी, अंधेरी

दोस्तो ये जो वक्त मिला है तुम्हें
प्यार से घर में बिताओ,
जो पुरानी एल्बम धूल चाट रही थी
उसे खोलकर उससे नजर तो मिलाओ।

२०२० की शुरुवात बड़ी अच्छी थी, हमने आशाओं और उमंगों से इस साल को गले लगाया पर २०२० के पहले की जिंदगी को हमने हमेशा ही शिकायतों में बिताई, कभी डोमेस्टिक हेल्प, ट्रैफिक, पॉल्यूशन, कंपैरिजन, कॉम्पिटिशन, प्रकृति, सरकार हर एक बंदे से हमें शिकायत थी। हम भाग रहे थे पर कहां पहुंचना है, हमें पता नहीं था। हमारे पास एक एक मिनट का शेड्यूल था, हम इंसान न होकर जैसे टाइम मशीन हो गए थे।

२०२० में अब क्या हुआ? हमारे पास वक्त ही वक्त हैं, प्रकृति ने ऐसा पासा फेंका कि एक ही पल में सब शिकायतें समाप्त हो गईं। पॉल्यूशन नहीं, कॉम्पिटिशन नहीं, शिकायत नहीं, ट्रैफिक नहीं हैं पर फिर भी हम खुश नहीं क्योंकि हमें खुश रहना आता ही नहीं है। प्रकृति ने हमें सोचने पर मजबूर कर दिया कि हे इंसान तेरे हाथ में है क्या? क्या चीज का इतना घमंड? एक निर्जीव विषाणु के डर से घर में दुबका बैठा है, जिस चेहरे को खूबसूरत रखने हेतु हर महीने कुछ न कुछ राशि व्यतित करता था उसको मास्क में छुपाकर चलने का वक्त आ गया है।

भले ही हम विषाणु को कितना भी कोसे, भले ही यह प्रकृति की देन हैं या चाइना की, इसने इंसानी रिश्तों की अहमियत सीखा दी, मरने का खौफ मन में बिठा दिया, जिंदगी ही सबकुछ है यह सीखा दिया, दिलों की धड़कने जगा दी, जीने का नया रास्ता दिखा दिया।

हम लोग भगवान महेश के वंशज हैं, कुछ न कुछ तो कर ही लेंगे, आओ हम सब मिलकर नयी सुबह की बुनियाद रखें, कुछ वादा करें, कुछ प्रण करें व कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करें।

अब भी अगर हमारी आंखे नहीं खुली
तो कब खुलेगी,
अब भी अपनों का अहसास नहीं हुआ
तो कभी भी नहीं होगा।



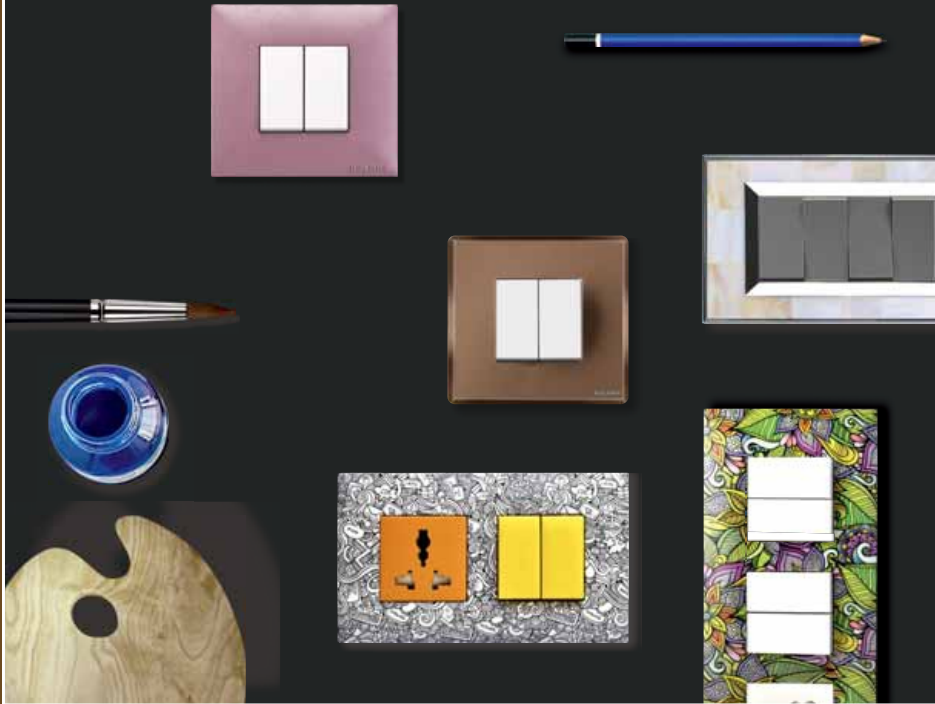
Post Reg.No.MCS/047/2020-21 RNI No. 22705/72 Posted at Mumbai Patrika Channel Sorting Office, GPO. Mumbai 400 001. Published on 15th of every month & posting on 16th / 17th of every month.

विज्ञापन



ADMIRE
ABSOLUTE
Excellence

सरस्वाणी



Corp Office : Cosmo Electro Industries Pvt Ltd, Mumbai - 053
Toll Free : 1800 221 470 | E : sales@kolorsworld.com

www.kolorsworld.com

Follow kolorsswitches on :

Printed, published & edited by Vishnu Madanlal Malpani on behalf of **Maheshwari Pragati Mandal**, printed at Sundaram Art Printing Press, 12, Wadala Udyog Bhawan, Naigaum X road, Wadala, Mumbai – 400 031 & published from Maheshwari Bhawan, 603, J.S.S. Road, Girgaum, Mumbai – 400 002 टे.: 022 - 2200 5026 / 27 /28 फॅक्स.: 22018834 website.www.mumbaimaheshwari.com Email:info@mpmmumbai.in Editor:Vishnu Madanlal Malpani

if not delivered please return at : Maheshwari Bhawan, 603, J.S.S. Road, Girgaum, Mumbai – 400 002 15